DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

नई दिल्ली। मंगलवार • 6 दिसम्बर • 2022

NAME OF NEWS राष्ट्रीय सहारा | www.rashtriyasahara.com | ED----------

कठपुतली कॉलोनी के लोगों को तीन से चार महीने का करना पड़ेगा फ्लैट मिलने का इंतजार

नई दिल्ली **(एसएनबी)**। 'जहां झुग्गी वहीं मकान' योजना के तहत कठपुतली कॉलोनी के लोगों को इस साल भी फ्लैट नहीं मिल पाएंगे। हालांकि वहां काम चल रहा है, लेकिन फ्लैट तैयार होने में अभी भी चार महीने से अधिक का समय लग सकता है। हालांकि कठपुतली कॉलोनी के निवासी आनंद पर्वत पर ट्रांजिट कैंप में रह रहे हैं। दिल्ली विकास प्राधिकरण निजी डेपलपर के साथ मिलकर 3000 से अधिक फ्लैट बना रहा है। ज्ञात हो कि यह योजना वर्ष 2009 से लटकी हुई है। इस योजना का शिलान्यास तत्कालीन केंद्रीय मंत्री अजय माकन ने किया था।

जहां झुग्गी वहीं मकान योजना के तहत डीडीए ने सबसे पहले कठपुतली कॉलोनी में ही काम शुरू किया था, लेकिन यह योजना राजनीतिक विवाद में फंस गई। लंबे विवाद के बाद वर्ष 2017 में डीडीए इस जमीन का कब्जा ले पाया और वर्ष 2018 में योजना का विधिवत शिलान्यास हुआ। जमीन को खाली कराने से पहले डीडीए ने सभी परिवारों को आनंद पर्वत स्थित ट्रांजिट कैंप में अस्थाई आवास बनाकर स्थानांतरित किया था। निर्माण का काम शुरू होते ही यह योजना कानूनी विवाद में फंस गई और लंबे समय तक काम बंद रहा। इसके चलते डीडीए को निर्माण की कई बार तारीख बदलनी पड़ी है। हालांकि इस समय काम चल रहा है, लेकिन पात्रों को फ्लैट की चाबी सौंपने में अभी समय लगेगा। केंद्रीय मंत्री ने पिछले दिनों कहा था कि कानूनी अड़चन एवं कोरोना महामारी की वजह से परियोजना में देरी हुई है, लेकिन अब काम तेजी से चल रहा है।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPER नई दिल्ली, 6 दिसंबर, 2022 दैनिक जागरण -DATED----------

दूर की जाएंगी दैनिक जागरण के सुरक्षा अभियान में सड़कों पर मिलीं खामियां

दैनिक जागरण महाअभियान प्रभाव

इन दौड़ती भागती

सड़कों पर...

निर्माण, सुविधा और सुरक्षा की समीक्षा

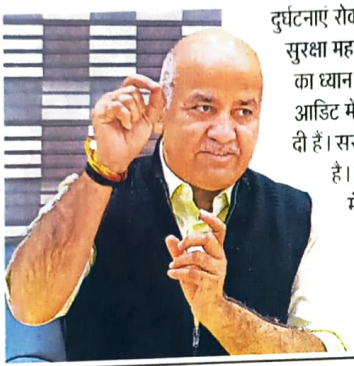

दुर्घटनाएं रोकने के लिए दैनिक जागरण की ओर से चलाए जा रहे सड़क सुरक्षा महाभियान के जरिये सड़कों की खामियों की तरफ सरकार का ध्यान आकर्षित कराया गया है। महाअभियान के तहत किए गए आडिट में राजधानी की सड़कों में कई छोटी- बड़ी खामियां दिखाई दी हैं। सरकार इनको दुरुस्त करने के लिए क्या योजना बना रही है। कैसे लोगों के सफर को सुगम बनाया जाएगा। दुर्घटनाओं में घायलों की मदद कैसे की जा रही है। ऐसे तमाम मुद्दों पर दैनिक जागरण के **वी के शुक्ला** ने दिल्ली के उपमुख्यमंत्री और लोक निर्माण मंत्री **मनीष सिसोदिया** से बात की। उन्होंने अभियान की सराहना की और खामियां दूर कराने का आश्वासन दिया। प्रस्तुत हैं बातचीत के प्रमुख अंश :-

• दुर्घटनाएं रोक कर जिंदगी बचाने के लिए दैनिक जागरण द्वारा शुरू किए गए सड़क सुरक्षा महाभियान में सड़कों पर बहुत सी खामियां मिली हैं, इन्हें दूर करने की सरकार की क्या योजना है?

-अगर आप किसी की जान बचा सकें, तो इससे बड़ा कोई कार्य नहीं है। मुझे यह जानकर खुशी हुई है कि दैनिक जागरण सड़क दुर्घटनाएं रोकने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर अभियान चला रहा है। सड़क दुर्घटनाएं रोकना हम सब की जिम्मेदारी है। सरकार, मीडिया सभी इसका हिस्सा हैं। आपका अखबार लोगों को जागरूक करने के साथ-साथ सरकार को भी आगाह कर रहा है, इसके लिए मैं दैनिक जागरण को धन्यवाद देता हूं। जहां तक खामियों को दूर कराने की बात है तो उन्हें दूर कराने के लिए सरकार गंभीर है। इसके लिए पीडब्ल्यूडी को निर्देश दे दिए गए हैं। आगे जो भी कमियां दैनिक जागरण द्वारा बताई जाएंगी उन्हें समय से दूर कराया जाएगा।

• सड़कों को सुरक्षित बनाए जाने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं ?

-दिल्ली सरकार की ओर से सड़कों को सुरक्षित बनाने के लिए पिछले छह सात साल में काफी काम हुआ है। हमने लंबे अध्ययन के बाद दिल्ली में 100 के करीब ऐसे स्थान चिह्नित किए हैं, जहां पर दुर्घटनाएं होती हैं या यातायात जाम बहुत ज्यादा लगता है। उन पर छोटे-बड़े जो भी कार्य थे, खामियां थीं उन्हें दूर किया गया है या किया जा रहा है। कुछ जगह ऐसी हैं जहां फ्लाइओवर बन रहे हैं या बन गए हैं। दिल्ली में सड़क सुरक्षा की जिम्मेदारी लोक निर्माण विभाग, नगर निगम, नई दिल्ली नगर पालिका परिषद और डीडीए है, परिवहन विभाग, दिल्ली पुलिस भी उसमें शामिल हैं। दिल्ली सरकार के तहत आने वाले कार्यों के मामले में मैं व्यक्तिगत रूप से रुचि लेकर काम कर रहा हूं।

• लोगों को यातायात नियमों का पालन कराने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

- मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में हमारी सरकार दिल्ली में पिछले अप्रैल से बस लेन ड्राइविंग अभियान चला रही है। सड़कों पर मार्किंग की गई है। इस अभियान का मकसद है कि बसें अपनी लेन में ही चलें और दूसरे वाहन बस लेन में न आए। इसका मकसद भी सड़क दुर्घटनाएं रोकना है। इसके सुखद परिणाम सामने भी आए हैं। परिवहन विभाग लगातार सख्ती करने के साथ ही लोगों को जागरूक भी कर रहा है।

• सड़क दुर्घटनाओं में घायलों को बचाने के लिए शुरू की गई 'फरिश्ते दिल्ली के' योजना का रिस्पांस कैसा है?

-पहले कई लोग सड़क दुर्घटना में घायल की मदद करने से डरते थे, उन्हें लगता था कि पुलिस पूछताछ करेगी, घायल के इलाज के लिए पैसा कौन देगा। लोगों की शंकाओं को दूर करने के लिए ही मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की ओर से 'फरिश्ते दिल्ली के' योजना लाई गई है। इसके तहत घायल को अस्पताल पहुंचाने वाले को दिल्ली सरकार दो हजार का इनाम देती है। इसका बड़ा लाभ यह हुआ है कि इसके तहत 2019 से अब तक 18000 से अधिक लोगों को जान बचाई गई है।

• सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को समय पर इलाज मिलना एक बड़ा मुद्दा है, क्या दिल्ली सरकार की ओर से घायलों के लिए कोई व्यवस्था है?

-सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को राहगीर जिस भी अस्पताल में ले जाता है, चाहे वो सरकारी हो या प्राइवेट। उसको घायल का पूरी तरह मुफ्त में इलाज करना है, उस इलाज का सारा खर्च दिल्ली सरकार उठाती है। अगर किसी घायल के इलाज के लिए कोई अस्पताल रुपये मांगता है या इलाज नहीं करता है तो शिकायत की जानी चाहिए, कार्रवाई होगी।